हाथ की कढ़ाई

प्रशिक्षण की अवधि - 6 महीने (प्रायः 825 घंटे)

सैद्धान्तिक

१. हाथ कढ़ाई कला का परिचय, इसकी उपयोगिता तथा इससे लाभ। इससे घर की सजावट का महत्व। प्राचीन कढ़ाई कला एवं आधुनिक कढ़ाई कला में अंतर।

२. कढ़ाई कला के काम में आनेवाले धागों - सिल्कन, सूती, क्रैचेट के धागों, लच्छियां तथा शिफॉन धागे, ईत्यादि के बारे में जानकारी, उनका वर्गीकरण, उनकी विलक्षणता तथा उनका प्रयोग। कलावस्तु (अपहला) तथा कढ़ाई के ऊन की जानकारी एवं उनका प्रयोग।

३. कढ़ाई कला के काम में आनेवाले उपकरणों का वर्णन, उनका कार्य तथा प्रयोग, उनकी हिफाजत। कढ़ाई कला के काम में आनेवाली सुईयों के प्रकार तथा उनका प्रयोग।

४. कढ़ाई के आधार - कपड़ों की जानकारी, उनके व्यवसायिक नाम, उनकी रचना और उसका प्रभाव, उनका चुनाव। विभिन्न चीजों के लिए कपड़े, उसके प्रकार (क्वालिटी) तथा रंगों का चुनाव। कपड़े तथा पैटर्न के इकाईयों का सामंजस्य।

५. नमूने की डिजाईन ड्रॉईंग करने की कला एवं नमूना ड्रेस करना। ड्रेस करने की विधियां एवं आवश्यक सामग्री। कढ़ाई के नमूने, पोशाक के अनुसार उनके चुनाव का ज्ञान। साधारण एवं कठिन नमूने, बड़े एवं छोटे नमूने। पोशाक के अनुरूप नमूने को बड़ा एवं छोटा करना। कढ़ाई कला के शिक्षार्थियों को ड्रॉईंग की आवश्यकता तथा इस ज्ञान से लाभ।

६. विभिन्न प्रकार के पत्ते, फूल, प्राकृतिक दृश्य, कोने के नमूने, गोल नमूने, बॉर्डर के नमूने के बारे में जानकारी तथा प्रयोग। विभिन्न चीजों एवं पोशाकों पर कढ़ाई करने का नियम तथा कढ़ाई करते समय ध्यान देने योग्य बातें।

७. कढ़ाई कला में रंगों का चुनाव एवं मिलान का ज्ञान। कपड़े के रंग के अनुरूप धागों के रंगों का मिलान, इस ज्ञान से लाभ। नमूने, धागे के रंग तथा कपड़ा - तीनों के उचित चुनाव का मिश्रण।

८. काश्मीर की काश्मीरी कढ़ाई, लखनउ के चिकन वर्क, सिन्ध की सिन्धी कढ़ाई, राजस्थान का एपलिक वर्क तथा बंगाल के ढाका एवं काथा स्टिच की विशेषता, प्रचलन तथा लोकप्रियता।

९. वस्त्रों पर लगे विभिन्न दाग छुड़ाने के नियम। कढ़ी हुई चीजों को धोने तथा लोहा करने की विधि।

१०. हाथ कढ़ाई के सभी स्टिचों, सलमा सितार, सीप, मोती तथा कलावत्तु की कढ़ाई का वर्णन (टिप्पणी) तथा उनका उचित प्रयोग।

११. मूल्य निर्धारण करना। तैयार सामान के बाजार भाव के अनुसार बिक्री मूल्य निर्धारण करना।

हाथ की कढ़ाई

क्रियात्मक

१. ड्रॉईंग करना तथा कपड़े पर ट्रेस करना, विभिन्न टाकों से बॉर्डर बनाना।

२. हाथ कढ़ाई के निम्नलिखित टांके का प्रयोगात्मक कार्य -

रनिंग स्टिच तथा बैक स्टिच, उनमें डिजाईन, स्टेप स्टिच (उल्टी बखिया), सैटिन स्टिच, लौंग एण्ड शौर्ट स्टिच, हालवीन स्टिच, स्पाईडर तथा डबल स्पाईडर स्टिच, फ्लाई तथा वाई स्टिच, फिश बोन स्टिच, हेरिंग बोन तथा डबल हेरिंग बोन स्टिच, फेदर तथा डबल फेदर स्टिच, लूप स्टिच, चेन तथा डबल चेन स्टिच, मैजिक चेन तथा कई प्रकार के चेन स्टिच जैसे इसप्लिट चेन, ओपेन चेन, डिसटेंट चेन, रोजडी चेन, जिग-जैग चेन, फेदर चेन, केबल चेन, इत्यादि, लेजी-डेजी स्टिच, फ्रेंच नोट तथा फ्रेंच-फ्लावर स्टिच, धनियां तथा जो स्टिच, काउचिन, आइलेट होल स्टिच, अमानियन स्टिच, चोप स्टिच, स्नेल तथा डबल स्नेल स्टिच, काश्मीरी स्टिच, सिन्धी कढ़ाई, चिकन वर्क, ढ़ाका तथा काथा स्टिच, ब्लैंकेट तथा बटन होल स्टिच, पिलो, एजिंग तथा डबल एजिंग, क्रॉस तथा डबल क्रॉस स्टिच, शेप स्टिच, बुलिदन स्टिच, शैडो वर्क, कट वर्क, नेट वर्क, हेम स्टिच, लच्छी, ऊन तथा रिबन स्टिच, सलमा सितारा तथा सीप का काम, कलावस्तु तथा मोती का काम, टाई का काम, मोनोग्राम, कीप स्टिच तथा मन्दिर स्टिच, इत्यादि।

३. विभिन्न प्रकार के फूल, पत्ती, पशु पक्षी, प्राकृतिक दृश्य, सुन्दर डिजाईन के गोल, तिकोने तथा चौकोर नमूने को उपर्युक्त स्टिचों से बनाना तथा ऊनमें धागे के रंग का उचित संमिश्रण करना।

४. हैनिकम तथा स्मोकिंग (कई एक स्टिच द्वारा) सीसा लगाना।

५. ड्रानथ्रेड वर्क (तारकशी का काम), एपलिक वर्क तथा पैच वर्क।

उत्पादन कार्य - (सुन्दर एवं उपयुक्त स्टिचों द्वारा बनाये जायेंगे)

१. तकिया खोल, चादर, बेड कवर, परदा, टेबुल क्लॉथ, ट्रे क्लॉथ, टेबुल मैट, टिकोजी, नैपकिन्स, ट्रे कवर, रेडियो कवर, जग तथा जार का कवर, ड्रेसिंग टेबुल सेट्स, स्टूल कवर पर कढ़ाई।

२. सोफा सेट, चेयर कवर, चेयर बैक, कुशन कवर, अंगीठी पोश, डाइनिंग टेबुल-क्लॉथ पर कढ़ाई।

३. रूमाल, बिब, बच्चों का एप्रन, बेबी फ्रॉक, बाबा सूट, गर्ल्स फ्रॉक, स्लैक्स पर उपयुक्त स्टिचों से कढ़ाई।

४. पेटीकोट, साड़ी, ब्लाउज पीस, दुप्ट्टा, जनानी कमीज पर सुन्दर स्टिच कढ़ाई।

५. बटुआ तथा लेडीज पर्स, मफलर तथा शॉल पर कढ़ाई।

खिलौना एवं गुड़िया बनाना

प्रशिक्षण की अवधि - 6 महीने (प्रायः 825 घंटे)

सैद्धान्तिक

१. खिलौना एवं गुड़िया कला की परिभाषा तथा इस कला से लाभ।

२. खिलौना एवं गुड़िया कला की प्राथमिक शिक्षा तथा बनाते समय आवश्यक बातों पर ध्यान।

३. फर्मा बनाने की विधि तथा इससे लाभ।

४. खिलौना बनाने के आवश्यक उपकरणों का वर्णन एवं उनका प्रयोग।

५. खिलौना बनाने के आवश्यक सामग्रियों (कच्चा माल) का वर्णन तथा प्रयोग एवं उनके नाप व तौल।

६. रेक्सीन के खिलौने, इससे लाभ तथा इसकी विशेषता।

७. रेक्सीन से खिलौना बनाने की विधि तथा उसमें प्रयोग की जाने वाली स्टिच (टांके)।

८. विभिन्न जन्तुओं, पशु-पक्षियों, डॉल तथा गुड़ियों-गुड्डों के शारीरिक बनावट का वर्णन।

९. खिलौना बनाने में ड्रॉईंग की आवश्यकता तथा इससे लाभ, विभिन्न आकृतियों की ड्रॉईंग।

१०. खिलौनों में भरी वाली चीजों का वर्णन, उनमें अन्तर तथा उनकी विशेषता।

११. कपड़े और रेक्सीन के खिलौने तथा कांच, प्लास्टिक, मिट्टी एवं कागज के खिलौनों में अन्तर तथा तुलनात्मक विवेचना। इनमें से बच्चों के लिए उपयोगी खिलौने एवं उसका कारण।

१२. खिलौना बनाने में विभिन्न स्टिचों का प्रयोग, उनका कारण एवं उनकी उपयोगिता।

१३. विभिन्न जन्तुओं, पशु-पक्षियों, डॉल तथा गुड़िया बनाने की विधि।

१४. कागज तथा कपड़े के फूल बनाने की विधि।

१५. खिलौनों को सजाने की विधि।

१६. खिलौने का मूल्य निर्धारण करना।

खिलौना एवं गुड़िया बनाना

क्रियात्मक

१. विभिन्न खिलौनों एवं गुड़ियों की ड्रॉईंग एवं उनको ट्रेस करना।

२. विभिन्न खिलौनों एवं गुड़ियों का मेजर कटिंग करना तथा कार्ड-बोर्ड पर फर्मा काटना।

३. कपड़े तथा रेक्सीन पर खिलौना एवं गुड़िया काटने तथा प्रत्येक भागों को जोड़ने का क्रियात्मक कार्य।

४. खिलौनों में रूई या बुरादा भरने का ज्ञान।

५. खिलौना एवं गुड़ियों में स्टिचों का प्रयोग -स्टेप स्टिच, बैक स्टिच, चेन स्टिच, रनिंग स्टिच, मैजिक चेन, लूप स्टिच, बटन सेल स्टिच, ब्लैंकेट स्टिच, फ्रेंच-नोट स्टिच, फेदर स्टिच, हेरिंग-बीन स्टिच। डार्निंग एपलिक वर्क, लौंग एन्ड शॉर्ट स्टिच, ईत्यादि।

६. सीप, मोती, गोटा, किरन, सलमा-सितारा, शीशा, ईत्यादि से खिलौनों को सजाना। कागज तथा कपड़े के फूल बनाना।

उत्पादन कार्य

१. मुर्गा
२. खरगोश (खड़ा एवं बैठा)
३. कुत्ता (खड़ा एवं बैठा)
४. जोकर
५. जिराफ
६. तोता
७. हाथी
८. घोड़ा
९. बन्दर
१०. भालू
११. बिल्ली
१२. ऊंट (बड़ा एवं छोटा)
१३. टेडी बियर
१४. बत्तक (बड़ा एवं छोटा)
१५. मछली
१६. घड़ियाल
१७. चिड़िया
१८. हिरण
१९. गाय या बैल
२०. बगुला
२१. डॉल (बड़ा एवं छोटा)
२२. गुड़िया (विभिन्न प्रदेशों के पोशाक वाली)
२३. तार वाली गुड़िया (विभिन्न फेज में)